रसशाला (Pharmacy) तथा औषध एवं पथ्य निर्माण

(क) आयुर्वेद :-

i. रसशास्त्र का परिचय एवं इतिहास का संक्षिप्त वर्णन,

ii. परिभाषा प्रकरण :- लवणपञ्चक, मधुरत्रय, अम्लवर्ग, पंचगव्य, द्रावकगण, रसपंक, भावना, ढालन, आवाप, निर्वाप, शोधन, मारण तथा भस्म परीक्षा का वर्णन।

iii. औषध निर्माण में प्रयुक्त यन्त्र एवं उपकरण परिचय :-

दोलायन्त्र, डमरूयन्त्र, स्थालीयन्त्र, पालिका यन्त्र, स्वेदन यन्त्र, पुटयन्त्र, विद्याधर यन्त्र, घटयन्त्र, भूधर यन्त्र, पाताल यन्त्र तथा तुलायन्त्र का सामान्य परिचयात्मक वर्णन एवं पल्वलाइजर, मिक्सर, ज्यूसर, टेबलेट मेकिंग मशीन तथा अन्य नवीन मशीनों का वर्णन। कोष्ठी निर्माण का सामान्य ज्ञान व उपयोग, सामान्य मूषा, व्रजमूषा, पक्व मूषा तथा गोस्तनी मूषा का स्वरूप एवं उपयोग।

iv. पुट :- महापुट, गजपुट, वाराह पुट, कुक्कुटपुट, कपोतपुट, गोमयपुट, कुम्भपुट, बालूपुट भूधरपुट तथा लावकपुट का वर्णन।

v. रस :- साधारणरस, उपरस, महारस, धातु, उपधातु, रत्नोपरत्न, विषोपविष का सामान्य परिचय, शोधन एवं मारणविधि का वर्णन।

vi. कज्जली, अभ्रकभस्म, मयूरपिच्छभस्म, मण्डूरभस्म, मुक्तापिष्टी प्रवालपिष्टी जहरमोहरापिष्टी, अकीकपिष्टी, त्रिभुवनकीर्तिरस, लक्ष्मीविलासरस, आनन्दभैरवरस, श्वासकुठाररस, चन्द्रामृतरस, सूतशेखररस, इच्छाभेदीरस, पुनर्नवामण्डूर, नवायसलौह, सप्तामृतलौह, पंचामृतपर्पटी, रसपर्पटी, श्वेतपर्पटी तथा रससिन्दूर, समीरपन्नगरस, मकरध्वज आदि की निर्माणविधि, गुणकर्म एवं मात्रा का वर्णन।

vii. मान परिभाषा :- पौतवमान, मागधमान तथा कलिंग मान का परिचय एवं आधुनिक मान का परिज्ञान।

viii. औषध मिश्रण पद्धति :- चिकित्सालय में प्रयुक्त औषधियों के अनुपात, सम्मिश्रण तथा मात्रा का परिज्ञान, औषध प्रयोग काल (द्वादश) तथा अनुपान, चिकित्सा व्यवस्था-पत्रक के सांकेतिक चिन्हों का ज्ञान।

ix. यन्त्र, उपकरण तथा अन्य साधन सामग्री और कच्ची एवं निर्मित औषधियों को व्यवस्थित रखने की समुचित जानकारी का ज्ञान, निर्मित औषधियों की शीशियों पर लेबल लगाने की विधि का ज्ञान।

x. भैषज्य कल्पना :-

पंचविधकषाय कल्पना, क्षीरपाक, स्नेहसिद्धि, संधान कल्पना, अवलेह, चूर्ण, वटी, शार्कर (Syrup) वर्ति, अर्क, क्षार-सत्व, गुलकन्द, मुरब्बा निर्माण की प्रक्रिया उदाहरण सहित।

xi. पथ्य निर्माण :-

आहारकल्प तथा यूष, यवागू, वेश्वार, प्रमथ्या, मण्ड, पेया, विलेपी, मन्थ, तक्र, उष्णोदक तथा सिद्धोदक (षडंगपानीय) के निर्माण का ज्ञान।

रोगानुसार पथ्य विशेष यथा - ज्वर, अतिसार, प्रमेह, राजयक्ष्मा, शोथ आदि रोगों में।

रसशाला (Pharmacy) तथा औषध एवं पथ्य निर्माण

(ख) यूनानी :-

i. अर्क कशीद करने का तरीका तथा निम्न दवाओं का अर्क कशीद करना।

(अ) अर्क जीरा (ब) अर्क बदयान (स) अर्क गावजबान (द) अर्क कासनी

ii. इत्रीफल बनाने का तरीका तथा निम्न इत्रीफल को तैय्यार करना।

(अ) इत्रीफल जमानी, (ब) इत्रीफल उस्तेखुददूस

iii. माजून बनाने का तरीका तथा निम्न माजून को तैय्यार करना।

(अ) माजून मूचरस(ब) माजून अर्द खुरमा

iv. खमीरा बनाने का तरीका तथा निम्न खमीरा को तैय्यार करना।

(अ) खमीरा गावजवान (ब) खमीरा बनफशा

v. मुफरदात एवं मुरक्कबात दवाओं की हिफाजत करने के तरीके

रसशाला (Pharmacy) तथा औषध एवं पथ्य निर्माण

(ग) होम्योपैथी :-

i. होम्योपैथी फार्मेसी

(अ) होम्योपैथी दवाईयों के स्त्रोत (Sources)

(ब) होम्योपैथी औषध निर्माण एवं शक्तिकरण

i. **Vehicles**

ii. **Potentisation (Dilutions & Trituration with Scales)**

iii. **Prescriptions Writing**

iv. **Preparation of Lotion, ointment and eye drops etc.**